सान्ध्यकालीन संस्कृत विद्यालय

पठामो वयं संस्कृतम्

(छः मासीय संस्कृत संभाषण प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम)

सरल माध्यम से सीखें संस्कृत

सम्पर्क सूत्र

(संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण ज्ञान विज्ञान संवर्द्धन केन्द्र)

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,

देवास मार्ग, उज्जैन, पिन 456010

डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी (प्रभारी केन्द्र निदेशक) 9737793210

डॉ. दिनेश चौबे, प्राध्यापक, 7566297851

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, देवास मार्ग, उज्जैन, पिन 456010

(वर्ष 2022-23 नवीन शिक्षानीति के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के केन्द्र द्वारा सञ्चालित संस्कृत सम्भाषण प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम)

संस्कृत सम्भाषण प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम की विशेषतायें

- संस्कृत भाषा में वार्तालाप का शिक्षण।
- श्लोक, स्तुति आदि का अर्थावबोधन।
- संस्कृत गीत, श्लोक आदि का शिक्षण।
- संस्कृत में पत्र लेखन।
- कारक, सन्धि, समास आदि का अध्ययन।
- संस्कृत समाचार वाचन का ज्ञान।
- श्रीमद्भगद्गीता, रामायण आदि ग्रन्थों का अध्ययन शिक्षण।
- संस्कृत ग्रन्थों, कवियों तथा लेखकों का सामान्य परिचय।

संभावनाएं

- संस्कृत पढ़ने से उच्चारण शुद्ध होगा।
- वार्तालाप में सामान्य व्याकरण नियमों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- संस्कृत ग्रन्थ सरलता से पढ़ सकेंगे
- प्राचीन भारतीय ज्ञान के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- संस्कृत वाक्य के अगाध साहित्य से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
- भारतीय होने पर गर्व की अनुभूति होगी।
- अन्य भारतीय भाषाओं का ज्ञान सरलता से प्राप्त कर सकेंगे।
- ज्योतिष, वास्तु, योग, कर्मकाण्ड आदि क्षेत्रों में सफल हो सकेंगे।
- कथाकार, प्रवक्ता, सभा संचालन आदि कौशलों का सृजन।

संस्कृत भाषा के सम्वर्द्धन तथा सरल माध्यम से छात्रों तथा सामाजिक लोगों को संस्कृत सिखाने का यह प्रकल्प विश्वविद्यालय के मा. कुलपति जी के निर्देशानुसार केन्द्र द्वारा प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया। संस्कृत भाषा जिज्ञासुओं के लिये सरल संस्कृत सुबोध पाठ्यक्रम का सञ्चालन किया जा रहा है।

उद्देश्य

केन्द्र का प्रथम उद्देश्य संस्कृत भाषा का प्रचार-प्रसार है अतः भारतीय संस्कृति और सभ्यता की मूल संस्कृत भाषा अत्यन्त सरल और रुचिकर तरीके से सिखाने की व्यवस्था है।

पाठक

यह पाठ्यक्रम उन समस्त जिज्ञासुओं का स्वागत करता है जो किन्हीं कारणों से औपचारिक रूप से कक्षा में जाकर अध्ययन करने में समर्थ नहीं हैं तथापि संस्कृत सीखना चाहते हैं।

प्रवेश हेतु अर्हता

देवनागरी लिपि का ज्ञान अन्य किसी भी स्तरीय अध्ययन की बाध्यता नहीं है।

आयु सीमा

किसी भी आयु वर्ग के इसमें प्रवेश ले सकते है।

पाठ्यक्रम अवधि

छः मासीय पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम शुल्क-

रु 500/-

प्रवेश प्रक्रिया

जिज्ञासु पाठक अधोप्रदत्त गूगल फॉर्म के माध्यम से शुल्क 500 रुपए जमाकर प्रवेश ले सकते हैं। लिंक पर क्लिक करें https://forms.gle/b6dyMeQ7mMndNWES9

सान्ध्यकालीन संस्कृत सम्भाषण पाठ्यक्रम में प्रवेश क्यों लें?

- कोई परीक्षा नहीं। किसी प्रकार की कोई औपचारिक बाध्यता नहीं। सुगम विधि से अपनी सभ्यता एवं संस्कृति का ज्ञान अथाह ज्ञान निधि को जानने का सुअवसर।
- जो संस्कृत का अध्ययन करना चाहते हैं किन्तु उन्हें अध्ययन की सुविधा नहीं मिल रही है। जो अपरिहार्य कारणों से देवभाषा संस्कृत के अध्ययन से वंचित रह गए हों। उनके लिये पूर्णतया अनौपचारिक रूप से संस्कृत सीखने का स्वर्णिम अवसर।
- भारतीय होने के नाते संस्कृत अवश्य पढ़नी चाहिए।
- संस्कृत स्मरण शक्ति बढ़ाने वाली भाषा है।
- बच्चों का हकलाना और तुतलाना संस्कृत के उच्चारण से ठीक होता है।
- संगणक के लिए सर्वाधिक उपयुक्त भाषा है।
- अनेकों सेवानिवृत्त एवं सेवारत बुद्धिजीवी वर्ग यथा अभियन्ता, चिकित्सक, वकील, प्रशासक, प्रतिष्ठित पदाधिकारी एवं विदेशी छात्र इस पाठ्यक्रम से लाभान्वित हुए हैं तथा हो रहे हैं।

संरक्षक

प्रो. विजय कुमार सी.जी.

मा. कुलपति